MH (P) 21

M.A. (Previous) Examination, September/October 2016
(SLM Scheme)
HINDI (हिन्दी)
Course – I : Karnataka Sanskriti Aur Kannada Sahitya
प्रश्न पत्र – I : कर्नाटक संस्कृति और कन्नड़ साहित्य

Time : 3 Hours Max. Marks : 90

***Instruction**: **All** Sections are **compulsory**.*

SECTION – A

I. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3×15=45)**

1) कर्नाटक संस्कृति के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।
2) कर्नाटक प्रदेश की प्राकृतिक संपदा पर एक लेख लिखिए ।
3) कर्नाटक की शिल्प कला का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।
4) कन्नड़ भाषा के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालिए ।
5) पंप युगीन प्रमुख साहित्यकारों का परिचय दीजिए ।

SECTION – B

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3×10=30)**

6) कर्नाटक के विभिन्न राजवंशों पर प्रकाश डालिए ।
7) कर्नाटक के सिक्कों पर एक लेख लिखिए ।
8) बसव के पूर्ववर्ती एवं बसव कालीन शरणों का साहित्यिक मूल्यांकन कीजिए ।
9) कनकदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।
10) कन्नड़ कहानी साहित्य का विकास-क्रम समझाइए ।

SECTION – C

III. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : **(3×5=15)**

11) अव्दैत मत ।
12) वचन साहित्य ।
13) कित्तूर रानी चेन्नम्मा ।
14) शिवराम कारंत ।
15) अल्लम प्रभु ।

———————

MH (P) 22

M.A. (Previous) Examination, September/October 2016
(SLM Scheme)
HINDI
Course – II : Modern Hindi Poetry
प्रश्न पत्र – २ : आधुनिक हिन्दी काव्य

Time : 3 Hours | Max. Marks : 90

***Note : All** Sections are **compulsory**.*

SECTION – A

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(3×15 = 45)**

1. 'साकेत में आधुनिकता का समावेश हुआ है ' – इस कथन की समीक्षा कीजिए ।
2. 'कामायनी' की कथावस्तु का विवेचन करते हुए उसके उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए ।
3. 'तुलसीदास' में अभिव्यक्त मनोवैज्ञानिकता को स्पष्ट कीजिए ।
4. सिद्ध कीजिए कि 'कुरुक्षेत्र' में अतीत की पृष्ठभूमि पर वर्तमान को चित्रित किया गया है ।
5. पठित कविताओं के आधार पर अज्ञेय की काव्यकला का निरूपण कीजिए ।

SECTION – B

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(3×10 = 30)**

6. 'साकेत' में वर्णित मार्मिक प्रसंगों का वर्णन कीजिए ।
7. 'कामायनी में अभिव्यक्त दार्शनिक विचारों का निरूपण कीजिए ।
8. 'तुलसीदास' की विषय वस्तु का विश्लेषण कीजिए ।
9. खण्डकाव्य की दृष्टि से 'कुरुक्षेत्र' की आलोचना कीजिए ।
10. पठित कविताओं के आधार पर 'सर्वेश्वर दयाल सक्सेना' की काव्यकला का विवेचन कीजिए ।

P.T.O.

SECTION – C

किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । **(3×5 = 15)**

11. मेरी चिन्ता छोड़ो,
    मग्न रहो नाच, आत्म चिंतन में;
    बैठी हूँ मैं फिर भी,
    अपने इस नृप–निकेतन में ।

12. संगीत मनोहर उठता मुरली बजती जीवन की ।
    संकेत कामना बन कर बतलाती दिशा मिलन की ।
    'रश्मियाँ बनी' अप्सरियाँ अंतरिक्ष में नचती थी'÷
    परिमल का कन–कन लेकर निज रंगमंच रचती थी ।

13. साध्य की वह रश्मि स्निग्ध, उदार,
    कब खिलेगी, कब खिलेगी विश्व में भगवान
    कब सुकोमल ज्योति से अभिसिक्त
    हो, सरस होंगे जली–सूखी रक्षा के प्राण ?

14. जब आया फिर देहात्मबोध
    बाहर चलने का हुआ शोध
    रह निर्विरोध, गति हुई रोध–प्रतिकूला,
    खोलती मृदुल दल बन्द सकल,
    गुद गुदा विपुल धारा अविचल
    बह चली सुरभि की ज्यों उत्कल, निःशूला –

15. दूसरे की रोशनी यह
    दूसरे के द्वार पर का वृक्ष
    मेरा घर प्रकाशित
    डोलते दीवार पर मेरी
    अनंकित चित्र किसके है
    कौन जाने ।

MH(P) 23

M.A. (Previous) Examination, Sept./Oct. 2016
(SLM Scheme)
HINDI हिन्दी
Aadhunik Hindi Gadhya Sahitya
Course – III : Hindi Prose, Drama, Essay and Fiction
प्रश्न पत्र – III : हिन्दी गद्य, नाटक, निबंध और कथा साहित्य

Time : 3 Hours Max. Marks : 90

***Note** : **All** Sections are **compulsory**.*

SECTION – A

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×15=45)**

1. चिंतामणि के निबंध भाव प्रधान हैं या विचार प्रधान ? तर्क संगत उत्तर दीजिए।
2. 'आँगन का पंछी' के आधार पर विद्या निवास मिश्र की निबंध – कला पर प्रकाश डालिए।
3. 'चंद्रावली' नाटिका की कथा वस्तु पर एक लेख लिखिए।
4. एकांकी – कला की दृष्टि से 'नीली झील' एकांकी की समीक्षा कीजिए।
5. कहानी–कला की दृष्टि से 'भगत की गत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

SECTION – B

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

6. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।
7. कहानी तत्वों के आधार पर 'पितृशोक' कहानी की समीक्षा कीजिए।
8. 'तमस' उपन्यास में चित्रित राजनीति पर एक लेख लिखिए।
9. 'प्रतिशोध' एकांकी के आधार पर डॉ. रामकुमार वर्मा' की सफलता का निरूपण कीजिए।
10. 'शरणागत' कहानी की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

SECTION – C

किन्हीं **तीन** गद्यांशो की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए। **(3×5=15)**

11. ''नये-नये मधु के लोभी भौटे, तुम किस तरह इतनी प्रगाढ़ता के साथ उस आम्र मंजरी को चूमकर उसे आज अपने कमल-वृन्द में मग्न होकर भूल गये ?''

12. 'स्पर्धा संसार में सुखी-प्रतिष्ठित और सुखी लोगों की संख्या में कुछ बढ़ती करना चाहती है और ईर्ष्य में कयी'।

13. 'ठीक है। और फिर तुम्हारा भारवि है कवि। कवि समय पर शासन करता है। समय उस पर शासन नहीं करता'।

14. 'हाँ! नहीं' मैं तो सिर्फ हुक्म देता था। एक ओर से मेरी प्रणाएँ लडती थी और दूसरी ओर से मेरी प्रणाएँ लड़ती थी और एक ओर से मेरी प्रणाओं का रक्त बहता था और दूसरी ओर से मेरी प्रणाओं का रक्त बहता था।

15. 'हाँ ! ठीक तो है, सुनो राखी, सुनो बन्धु ! वसन्त जरूर आ गया। तुम पूछती हो, कौन वसन्त ? क्या तुमने नहीं लक्ष्य किया कि सवेरा जल्दी होने लगा है, तुम्हें काम जल्दी आरंभ करना पड़ता हैं ?

MH (P) 24

M.A. (Previous) Examination, Sept./Oct. 2016
(SLM Scheme)
HINDI – हिन्दी
Course – IV : History of Hindi Literature and Hindi Grammar
प्रश्नपत्र – IV : हिन्दी साहित्य का इतिहास और हिन्दी व्याकरण

Time : 3 Hours | Max. Marks : 90

***Note** : **All** Sections are **compulsory**.*

SECTION – A

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(3×15=45)**

1. हिन्दी साहित्य के काल विभाजन के संबंध में विभिन्न विचारकों के मतों का विवेचन कीजिए ।
2. सगुण भक्ति काव्य की विशेषताएँ लिखिए ।
3. रीतिकालीन साहित्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।
4. सर्वनाम किसे कहते हैं ? उसके भेदों को सोदाहरण लिखिए ।
5. क्रिया विशेषण किसे कहते हैं ? उसके कितने भेद हैं ? उदाहरण सहित लिखिए ।

SECTION – B

किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए । **(3×10=30)**

6. वर्तमानकाल किसे कहते हैं, उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए ।
7. संबंध सूचक अव्यय को परिभाषित करते हुए उसके भेदों को उदाहरण सहित समझाइए ।
8. ज्ञानाश्रयी काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
9. हिन्दी कहानी साहित्य की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए ।
10. छायावादी कविता की सामान्य विशेषताओं पर एक लेख लिखिए ।

P.T.O.

SECTION – C

किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए । **(3×5=15)**

11. नाथ साहित्य ।

12. जायसी ।

13. हजारीप्रसाद द्विवेदी ।

14. 'ने' नियम ।

15. प्रत्यय और उपसर्ग ।

MH (P) 25

M.A. (Previous) Examination, September/October 2016
(SLM Scheme)
HINDI (हिन्दी)
Course – V : Anuvad aur Prayojanmoolak Hindi
प्रश्न पत्र – V : अनुवाद और प्रयोजनमूलक हिन्दी

Time : 3 Hours | Max.Marks : 90

***Note** : **All** Sections are **compulsory**.*

SECTION – A

I. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3×15=45)**

1) अनुवाद की विभिन्न परिभाषाएँ लिखिए ।

2) कार्यालयीन अनुवाद की समस्याओं की चर्चा कीजिए ।

3) प्रयोजनमूलक हिन्दी की परिभाषा देते हुए उस के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।

4) टिप्पणी किसे कहते हैं ? टिप्पणी लेखन के विभिन्न चरणों को स्पष्ट कीजिए ।

5) राजभाषा नीति के अनुपालन के लिए सरकार के द्वारा उठाये गये कदमों की समीक्षा कीजिए ।

SECTION – B

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3×10=30)**

6) अनुवाद और भाषाविज्ञान के संबंध को स्पष्ट कीजिए ।

7) पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

8) कार्यालय ज्ञापन और ज्ञापन का अंतर स्पष्ट कीजिए ।

9) अधिसूचना किसे कहते हैं ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

10) मुहावरे और लोकोक्तियों के अनुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

SECTION – C

III. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3×5=15)**

11) किन्हीं **पाँच** शब्दों के **हिन्दी** पर्याय लिखिए। **5**

a) Casual leave
b) Manager
c) Finance Minister
d) Post master general
e) Certificate
f) Verification
g) Co-operative society
h) Co-operation

12) किन्हीं **पाँच** शब्दों के **अंग्रेजी** पर्याय लिखिए । **5**

a) ऊर्जा मंत्रालय
b) टंकक
c) परिपत्र
d) अधिसूचना
e) निदेशक
f) कार्यालय आदेश
g) भारतीय दंड संहिता
h) स्वास्थ्य अधिकारी

13) अनुस्मारक का एक नमूना तैयार कीजिए । **5**

14) सरकारी पत्र का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए । **5**

15) **कन्नड** अथवा **अंग्रेजी** में अनुवाद कीजिए । **5**

सामाजिक संघर्ष को आयाम देने वाली कहानियों का भंडार अधिक समृद्ध और व्यापक हैं । इन कहानियों में राजनैतिक सिद्धांतवाद की ओर आग्रह तथा प्रगतिवादी विचारधारा के स्पष्ट संकेत मिलते हैं। सामाजिक विषयों और शोषणवादी प्रवृति को पाठकों के सामने प्रस्तुत करने में कहानीकारों को विशेष सफलता मिली है। इन लेखकों की कहानियों में कथावस्तु के लिए जो विषय चुने गये हैं, उनमें प्रमुख हैं – स्त्री–पुरुषों के संबंध, प्रेम, वासना, जाति व धर्म के नाम पर व्याप्त सामाजिक रूढियाँ, शोषण के विरुद्ध संघर्ष, राजनैतिक संघर्ष और सांस्कृतिक चेतना के मूल्यों को खोज। इस वर्ग के लेखकों में अनेक महिला कहानीकार भी हैं।

———————

MHIN 111

M.A. (Previous) Examination, Sept./Oct. 2016
(SLM Scheme)
HINDI (हिन्दी)
Course – I : Karnataka Sanskriti aur Kannada Sahitya
प्रश्न पत्र I : कर्नाटक संस्कृति और कन्नड साहित्य

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

Instruction : ***All*** *Sections are* ***compulsory****.*

SECTION – A

I. किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(4×5=20)**

1) कर्नाटक के सिक्के।

2) वचन साहित्य।

3) कर्नाटक संगीत।

4) कुवेंपु ।

5) चंपू काव्य।

6) कित्तूर रानी चेन्नम्मा की साधना।

SECTION – B

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7) कन्नड लिपि के उद्‌भव और विकास पर एक लेख लिखिए।

8) पंप युगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

9) बसव के पूर्ववर्ती एंव बसव कालीन शरणों का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

10) कन्नड के दास साहित्य में कनकदास का क्या योगदान है ? समझाइए।

11) कन्नड नाटक साहित्य का विकास-क्रम समझाइए।

P.T.O.

SECTION – C

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12) कर्नाटक के राजवंशों का ऐतिहासिक विवेचन प्रस्तुत कीजिए और कन्नड साहित्य के विकास में उनकी हेत को स्पष्ट कीजिए।

13) कर्नाटक की शिल्पकला एवं मूर्तिकला का विवेचन कीजिए।

14) कर्नाटक के प्रमुख ऐतिहासिक अवशेषों की समीक्षा कीजिए।

15) कर्नाटक के वैदिकमत प्रचार में आचार्यत्रयों का क्या योगदान है ? समझाइए।

MHIN 112

M.A. (Previous) Examination, September/October 2016
(New SLM Scheme)
HINDI – हिंदी
Course – II : Modern Hindi Poetry
प्रश्न पत्र – II : आधुनिक हिन्दी काव्य

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

***Note : All** Sections are **compulsory**.*

SECTION – A

I. किन्हीं **चार** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1) सखि, विहग उडा दे, हों सभी मुक्तिमानी,
सुन शठ शुक-वाणी- 'हाय! सठो न रानी।
खग, जनक पुरी की ब्याह हूँ सारिका मैं।
तदपि यह वहीं की त्यक्त हूँ दारिका मैं ?

2) विकल वासना के प्रतिनिधि
वे सब मुरझाये चले गए,
आह ! जले अपनी ज्वाला से
फिर वे जल में गले, गए।

3) करना होगा यह तिमिर पार-
देखना सत्य का मिहिर-द्वार-
बहना जीवन के प्रखर ज्वार में निश्चय
लडना विरोध से द्वन्द्व-समर

4) सावधान, मनुष्य ! यदि विज्ञान है तलवार,
तो इसे दे फेंक, तज कर मोह, स्मृति के पार।
हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी नादान;
फूल-कांटों की तुझे कुछ भी नहीं पहचान।

5) यह वह विश्वास नहीं, जो अपनी लघुता में भी कांपा
वो पीडा, जिस की गहराई को स्वयं उसी ने नापा,
कुत्सा, अपमान, अवज्ञा के घुंघुआते कडुवे तम में

6) मानस-मंदिर में सती, पति की प्रतिमा थाप,
जलती-सी उस विरह में, बनी आरती आप
आंखों में प्रिय-मूर्ति थी, यूल थे सब भोग,
हुआ योग से भी अधिक उसका विषम-वियोग।

SECTION – B

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7) साकेत के नवम सर्ग की वस्तुगत उपलब्धियों से अवगत कराइए।

8) आधुनिक महाकाव्य के रूप में 'कामायनी' का मूल्यांकन कीजिए।

9) 'तुलसीदास' काव्य के काव्य-सौष्टव पर विचार कीजिए।

10) 'कुरुक्षेत्र' काव्य में अभिव्यक्त युद्ध तंत्र का विवेचन कीजिए।

11) पठित कविताओं के आधार पर मुक्तिबोध की वस्तुचेतना को समझाइए।

SECTION – C

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12) साकेत में चित्रित 'उर्मिला' का परिचय दीजिए।

13) 'कामायनी' में व्यक्त प्रसादजी की दार्शनिक विचार धारा का परिचय दीजिए।

14) 'तुलसीदास' काव्य के आधार पर निराला की अभिव्यंजना कौशलता की समीक्षा कीजिए।

15) 'कुरुक्षेत्र' की कथावस्तु को संक्षेप में समझाइए।

———————

MHIN 113

M.A. (Previous) Examination, September/October 2016
(New – SLM Scheme)
HINDI हिन्दी
Course – III : Aadhunik Hindi Gadhya Sahitya
प्रश्न पत्र – III : आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य

Time : 3 Hours | Max. Marks : 80

***Note** : **All** Sections are **compulsory**.*

SECTION – A

I. किन्हीं **चार** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

1) केवल ज्ञान बोझ है, केवल श्रद्धा अंधा बना देती है। हिन्दी के प्रति जो हमारा प्रेम है, वह भी ज्ञान द्वारा चलते और श्रद्धा द्वारा अनुगमित होना चाहिए।

2) मेरा स्त्रीत्व क्या इतने का भी अधिकारी नहीं कि अपने को स्वामी समझने वाला पुरुष उस के लिए प्राणों का पण लगा सके।

3) क्या तुम्हें लाज भी नहीं आती ? लोग तो सात पैर संग चलते हैं उसका जन्म भर निबाह करते है और तुम का नित्य की प्रीति का निबाह नहीं है।

4) क्या तुम्हें मालूम नहीं कि लोहे से लोहे बजते देखकर मेरा बेटा मेरी गोद में छिपने के लिए यहाँ भागकर आया है ? क्या तुम उसे यहाँ से भी भगाना चाहती हो ?

5) करुणा का भाव वियोग अर्थात विरह में विराजमान होता है। प्रिय के वियोग के दु:ख को करुणा का रूप दिया जा सकता है।

6) जिस मुहल्ले में आप रहते हैं उस मुहल्ले में लाज की हवा भी नहीं जाती। जब ऐसे हो तब ऐसे हो हाय! एक बार भी मुँह दिखा दिया होता तो मतवाले मतवाले बने क्यों लड़लड़ कर सिर फोरते।

SECTION – B

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7) निबंध कला की दृष्टि से 'करुणा' निबंध की समीक्षा कीजिए।

8) नाटक कला की दृष्टि से 'ध्रुव स्वामिनी' नाटक का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए।

P.T.O.

9) एकांकी कला की दृष्टि से 'प्रतिशोध' एकांकी का विवेचन कीजिए।

10) 'चंद्रावली' नाटक की कथा वस्तु की समीक्षा कीजिए।

11) 'भगत की गत' कहानी की वस्तु चेतना को समझाइए।

SECTION – C

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12) 'त्यागपत्र उपन्यास में नारी के अंतर्मन की व्यथाओं का चित्रण हुआ है' – इस कथन का विवेचन कीजिए।

13) ''तमस' विभाजन के बाद भारतीय जीवन का तमस है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

14) 'ध्रुव स्वामिनी' नाटक में व्यंजित सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

15) 'सीमा रेखा' एकांकी की वस्तु चेतना पर प्रकाश डालिए।

MHIN 114

M.A. (Previous) Examination, Sept./Oct. 2016
(New SLM Scheme)
HINDI (हिन्दी)
Course – IV : History of Hindi Literature and Hindi Grammar
प्रश्न पत्र – IV : हिन्दी साहित्य का इतिहास और हिन्दी व्याकरण

Time : 3 Hours | Max. Marks : 80

Note : ***All*** *Sections are* ***compulsory****.*

SECTION – A

I. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(4×5=20)**

1) आदिकालीन रासो काव्यों का परिचय दीजिए।

2) सगुण भक्ति शाखा की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

3) रीतिकालीन साहित्य की विशेषताएँ लिखिए।

4) विशेषण क्या है ? उसके प्रकारों को समझाइए ।

5) सर्वनाम किसे कहते हैं ? उस के भेदों को समझाइए।

6) अव्यय की परिभाषा देते हुये उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

SECTION – B

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(3×10=30)**

7) वर्तमान काल के विविध रूपों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

8) संज्ञा को परिभाषित करते हुये उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए।

9) हिन्दी कहानी के विकास पर प्रकाश डालिए।

10) प्रगतिवाद के प्रमुख दो कवियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

11) हिन्दी निबन्ध साहित्य के विकास – क्रम पर एक लेख लिखिए।

P.T.O.

SECTION – C

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(2×15=30)**

12) कबीरदास के काव्य में व्यंजित सामाजिक समस्याओं का वर्णन कीजिए।

13) कृष्ण भक्ति शाखा का वर्णन करते हुये उसमें सूरदास का स्थान निर्धारित कीजिए।

14) प्रेमचंद के कथा साहित्य की चर्चा कीजिए।

15) वचन की परिभाषा देते हुये उसके प्रकारों का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।

MHIN 115

M.A. (Previous) Examination, September/October 2016
(New SLM Scheme)
HINDI (हिन्दी)
Course – V : Anuvad Aur Prayojanmoolak Hindi
प्रश्न पत्र – V : अनुवाद और प्रयोजनमूलक हिन्दी

Time : 3 Hours | Max. Marks : 80

***Note** : **All** Sections are **compulsory**.*

SECTION – A

I. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(4×5=20)**

1) अनुवाद कला है या विज्ञान – चर्चा कीजिए ।

2) किन्हीं **पाँच** शब्दों के हिन्दी पर्याय लिखिए ।

a) Personality
b) Artistic
c) Beauty
d) Garment
e) Reflection
f) Side by side
g) To the point
h) Copy enclosed
i) Mechanical
j) Phonetics.

3) किन्हीं **पाँच** शब्दों के **अंग्रेजी** पर्याय लिखिए ।

1) राज्यपाल
2) सम्पर्क
3) संस्थान
4) विधि
5) वेतन वृद्धि

P.T.O.

6) संहिता

7) निदेशालय

8) राजदूत

9) यांत्रिक

10) पहचान पत्र ।

4) अनुवाद की प्रकृति का परिचय दीजिए ।

5) प्रयोजनमूलक हिन्दी किसे कहा जाता है ?

6) अनुस्मारक के महत्त्व पर प्रकाश ड़ालिए ।

SECTION – B

II. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(3×10=30)**

7) अनुवाद के सिद्धान्तों का उल्लेख कीजिए ।

8) राष्ट्रभाषा और राजभाषा में क्या अन्तर है ? स्पष्ट कीजिए ।

9) टिप्पण लिखने की आवश्यकता को समझाइए ।

10) कार्यालय ज्ञापन का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए ।

11) परिपत्र का एक नमूना प्रस्तुत कीजिए ।

SECTION – C

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(2×15=30)**

12) हिन्दी के कार्यान्वयन हेतु सरकार ने किन-किन समितियों का गठन किया है ? चर्चा कीजिए ।

13) सरकारी पत्र किसे कहते हैं उसके विभिन्न प्रकारों का उल्लेख कीजिए ।

14) आलेखन का अर्थ समझाते हुए सफल आलेखक के गुणों पर प्रकाश डालिए ।

15) काव्यानुवाद से क्या तात्पर्य है ? काव्यानुवाद की समस्याओं पर प्रकाश डालिए ।

———————